Dr. M. K. Jha,
Dept of Sociology,
V.S.J college, Rajnagar.

Sociology (Hons)
B.A. Part-III paper-V
Kinship, Marriage and Family

Question- गोत्र की परिभाषा दीजिए, इसकी विशेषताओं और महत्व पर प्रकाश डालिए।

Answer- समुदाय के सामाजिक संगठन में गोत्र एक महत्वपूर्ण इकाई है। गोत्र कई परिवारों अथवा वंशों का एक ऐसा समूह है जो अपनी उत्पत्ति किसी एक पूर्वज से मानता है। यह पूर्वज वास्तविक भी हो सकता है और काल्पनिक भी, सजीव अथवा निर्जीव भी हो सकता है। एक गोत्र के सदस्य बहिर्विवाह के नियम का पालन करते हैं। यह एकवंशीय (पितृवंशीय या मातृवंशीय) समूह है।

गोत्र का प्रारम्भ परिवार के किसी प्रमुख पूर्वज से होता है। यह पूर्वज प्रमुख और प्रतिष्ठित होने के कारण उस परिवार का प्रवर्तक या संस्थापक मान लिया जाता है। यह पूर्वज कोई भी मानव, देवता अथवा विशेष प्राणी हो सकता है। इसी कारण उसी के नाम से परिवार के सब वंशजों का परिचय दिया जाता है और सब मिलकर एक गोत्र कहलाते हैं।

Majumdar and Madan के अनुसार "एक गोत्र कुछ वंश-समूहों का वह योग अथवा संगठन है जो अपनी उत्पत्ति एक काल्पनिक पूर्वज से मानता है। यह पूर्वज मानव, मानव के समान पशु, पौधा अथवा कोई निर्जीव पदार्थ तक हो सकता है।"

Hutton के अनुसार "Clan is an exogamous group, descended from the common ancestor inside the endogamous caste."

प्रत्येक गोत्र एक ऐसा बहिर्विवाही समूह है जिसकी उत्पत्ति एक प्रन्तर्विवाही जाति के प्रन्दर किसी सामान्य वंश-पूर्वज से हुई होती है।

गोत्र की विशेषताएँ निम्न हैं

1. सामान्य पूर्वज से उत्पत्ति - (Descent from a common Ancestor) एक गोत्र के सभी सदस्य यह विश्वास करते हैं कि उनकी उत्पत्ति एक ही पूर्वज से हुई है। एक गोत्र के सभी सदस्य एक पूर्वज के प्राधार पर रक्त-सम्बन्धी मानते हैं।
2. बहिर्विवाही समूह - (Exogamous group) एक गोत्र के सभी सदस्य प्रपने प्राप एक पूर्वज की सन्तान मानते हैं फलतः भाई-बहन के बीच विवाह का सम्बन्ध नहीं होता है। प्रत्येक एक गोत्र के सभी सदस्य गोत्र के बाहर विवाह करते हैं।
3. एकपक्षीय समूह - (Unilateral group) गोत्र सदैव एकपक्षीय होता है जिन परिस्थितियों में पितृसत्तात्मक परिवार पाया जाता है वहाँ गोत्र का नाम पिता से पुत्र को हस्तान्तरित होता है तथा विवाह के द्वारा परिवार में प्राने वाली स्त्रियों का गोत्र भी प्रपने पति के गोत्र के प्रनुसार बदल जाता है। मातृसत्तात्मक परिवार में माँ गोत्र मातृगोत्र होता है। प्रत्येक गोत्र का नाम माता से उसकी पुत्र-सन्तान एवं पति का गोत्र बदल जाता है।
4. एक विशेष नाम - 'Specific Name' प्रत्येक गोत्र का एक विशेष नाम होता है तथा इसी के द्वारा एक गोत्र के सदस्य समानता की चेतना द्वारा प्रापस में बंधे रहते हैं।

Scanned with Cam

गोत्र के महत्व - गोत्र एक महत्वपूर्ण सामाजिक संगठन है। परिवार के बाद गोत्र ही एक सामाजिक इकाई है जो एक गोत्र का सदस्यों का नैतिक बल द्वारा विभिन्न सामाजिक धार्मिक एवं आर्थिक कार्य करने की प्रेरणा देती है। जिसके निम्न संगठनात्मक महत्व है -

1. सदस्यों पर नियंत्रण - (Control over Members)
गोत्र अपने सदस्यों के अनुचित व्यवहार पर अंकुश लगाता है। गोत्र के सभी सदस्य वयोवृद्ध या गोत्र-मुखिया का निर्देश मानते हैं। परिवार गोत्र के आधार पर अपने सदस्य का समाजीकरण करता है गोत्र एक नियंत्रण माध्यम है।

2. पारस्परिक सहायता और सुरक्षा - (Mutual Help and Security)
एक गोत्र मानने वाले परिवार आपस में सुरक्षा-सहायता सदैव परस्पर रूप में प्रदान करते रहते हैं। जिसमें गोत्रीय संगठन का योगदान उल्लेखनीय है जो अपने सदस्य को प्रशिक्षण देकर पारस्परिक सहायता का उद्देश्य देते रहते हैं।

3. धार्मिक कार्य - Religious Functions
एक गोत्र अपने पूर्वज को ईश्वर या अलौकिक रूप में मान्यता देते हैं। प्रत्येक गोत्र का धार्मिक नियम एवं कार्य प्रशिक्षण एवं गोत्र मुखिया के निर्देश से चलता है जिसमें सामाजिक चेतना जुड़ी रहती है।

4. राजनीतिक महत्व -
गोत्र का मुखिया प्रभुतासम्पन्न व्यक्ति होता है। जो आपसी मतभेद एवं बाहरी आक्रमणों से अपने समूह की रक्षा करता है।

5. आर्थिक महत्व :- 'Economic Help'
एक गांव के अन्तर्गत यदि किसी व्यक्ति की आर्थिक स्थिति बहुत शोचनीय हो जाती है तो गांव - संगठन के द्वारा उस व्यक्ति को आर्थिक सहायता की जाती है जिसमें भौतिक उपकरण, भूमि या प्रयोजनार्थ वस्तुएं होती हैं।

6. संगठनात्मक महत्व : (Organizational importance)
प्रत्येक गांव में वैवाहिक नियमों का कठोरता से पालन किया जाता है जिसके फलस्वरूप समूह में अनैतिकता की दशा उत्पन्न नहीं होती है। गांव मनोविज्ञान आधार पर समूह को स्थिरता से रखा करती है।

इस प्रकार गांव परिवार एवं सामाजिक संगठन का महत्वपूर्ण आधार है जो कि आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक एवं अन्य प्रकार की मनोवैज्ञानिक संतुष्टि अपने सदस्यों को प्रदान करता है। गांव से ही मातृ-भाव का जन्म हुआ है।